नहीं मैं मांगू जहाँ की दौलत बेटी गीत लिरिक्स

नहीं मैं मांगू जहाँ की दौलत,
ना चाहूँ मैं सोना और चांदी,
बस एक लक्ष्मी सी बेटी देना,
यही दुआ है मेरी प्रभु से।bd।

तर्ज – जिहाले मस्कीं।

वो है उमस में शीतल हवा सी,
वही है मासूम एक परी सी,
वही गुरुर है मेरे जहाँ का,
वही है कतरा मेरे लहू का,
नही में मांगु जहाँ की दौलत,
नही मै माँगू जहाँ की दौलत,
ना चाहूँ मैं सोना और चांदी,
बस एक लक्ष्मी सी बेटी देना,
यही दुआ है मेरी प्रभु से।bd।

उसी के कदमो से घर में बरकत,
उसी से आंगन में रोशनी है,
उसी में इज्जत है मेरे घर की,
वही दिलों में है बनके धड़कन,
नही मै माँगू जहाँ की दौलत,
ना चाहूँ मैं सोना और चांदी,
बस एक लक्ष्मी सी बेटी देना,
यही दुआ है मेरी प्रभु से।bd।

वो शर्म है या हया है खुशी है,
वही है दोनों कुलो की रंगत,
उसी से महके पियर की गलियाँ,
पति के घर का गुमान है वो,
नही मै माँगू जहाँ की दौलत,
ना चाहूँ मैं सोना और चांदी,
बस एक लक्ष्मी सी बेटी देना,
यही दुआ है मेरी प्रभु से।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नहीं मैं मांगू जहाँ की दौलत,
ना चाहूँ मैं सोना और चांदी,
बस एक लक्ष्मी सी बेटी देना,
यही दुआ है मेरी प्रभु से।bd।

Singer – Vicky D Parekh

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com